# रूस पर यूक्रेन का हमला, रूसी शहर पर की बमबारी, 20 लोगों की मौत

**मॉस्को।** रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध फिर तेज हो गया है. हाल ही में रूस ने यूक्रेन पर भारी बमबारी की थी, जिसके जवाब में यूक्रेन की बमबारी में दो बच्चों समेत 20 लोग मारे गए. रूसी अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन की उत्तरी सीमा से जुड़े शहर बेलगोरोद पर बमबारी से 111 लोग घायल भी हुए हैं. इस शहर पर यूक्रेन का ये सबसे बड़ा हमला था.

न्यूजपेपर कोमर्सेंट ने रूसी जांच कमेटी के सूत्रों के हवाले से कहा कि यूक्रेन के खार्कीव क्षेत्र में मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर से दागी गई मिसाइलों ने सेंट्रल कैथेड्रल स्क्वायर पर एक स्केटिंग रिक, एक शॉपिंग सेंटर और आवासीय इमारतों को निशाना बनाया।

### रूसी हमले में गई थीं कई जानें

इससे पहले रूसी सेना ने यूक्रेन पर 122 मिसाइल और 36 ड्रोन से हमले किए थे. यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया था कि रूसी हमले में 39 लोगों की जान गई है और 159 लोग घायल हुए हैं. उन्होंने कहा था कि हमलों ने 120 शहरों और गांवों को प्रभावित किया. यूक्रेनी सेना लंबे समय से अपनी सीमा से लगते रूसी क्षेत्रों पर हमला कर रही है, लेकिन यह अब तक का सबसे खूनी हमला बताया जा रहा है.

बेलगोरोद पर हमले के बाद यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि दो रूसी एस-300 मिसाइलों ने यूक्रेन के दूसरे शहर खार्कीव पर हमला किया था, जिसमें दो युवकों समेत 21 लोग घायल हो गए. एक मिसाइल ने खार्कीव पैलेस होटल और दूसरी एक अपार्टमेंट इमारत को निशाना बनाया. अधिकारियों ने कहा कि एक चिकित्सा संस्थान और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है.

हवाई हमले के सायरन पहले ही पूरे बेलगोरोद में बज चुके थे क्योंकि क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने सभी निवासियों से आश्रयों में जाने का आग्रह किया था।

### रूसी अधिकारियों ने दी यूक्रेन को चेतावनी

रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया कि कीव शासन ने प्रतिबंधित क्लस्टर कॉन्फिगरेशन में दो ओल्खा मिसाइलों के साथ चेक निर्मित वैम्पायर रॉकेटों का इस्तेमाल किया है. बेलगोरोद शहर पर हुए इस अंधाधुंध हमले का अपराध बख्शा नहीं जाएगा. इसमें कहा गया है कि दोनों ओल्खा मिसाइलकों को मार गिराया गया रहै, जिससे बहुत बड़ा नुकसान होने से बच गया है।

यूक्रेन के इस हमले में बड़ी संख्या में वाणिज्यिक संपत्ति, शॉपिंग सेंटर और दुकानों के साथ-साथ 22 अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हुई और 100 से अधिक कारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रूस ने यूक्रेन पर फरवरी, 2022 में हमला किया था, जिसे रूस विशेष सैन्य अभियान बताता है. रूसी सेना ने शुक्रवार को युद्ध का अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया है।

## न्यूज ब्रीफ

### रूस ने सेना में शामिल भारतीयों पर दी सफाई, कहा - एक अरसे से भर्ती बंद है

**मॉस्को।** रुसी दूतावास ने कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली उन भारतीय नागरिकों की शीघ्र पहचान और सेवा से मुक्ति के लिए काम कर रहे हैं, जो स्वेच्छा से सैन्य सेवा में संविदात्मक कार्य में शामिल हुए थे और अब घर लौटना चाहते हैं। बयान में यह भी कहा गया है कि कांट्रैक्ट की सभी शर्तों को पूरा किया जाएगा और इन्हें पूरा मुआवजा भी दिया जाएगा। रूसी दूतावास के बयान में कहा गया है कि इस साल अप्रैल से रूसी रक्षा मंत्रालय ने भारत सहित कई अन्य देशों के नागरिकों को सैन्य सेवा में भर्ती करना बंद कर दिया है। उसने कहा कि रूसी सेना इस तरह के किसी अभियान का हिस्सा नहीं है, जिसमें दूसरे देश के लोगों को वहां पर नौकरी देने की बात कही गई है। इस तरह के अभियान जालसाजी हो सकते हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने बयान में कहा कि सीबीआई इस तरह के मामलों की जांच कर रही है। जांच में कुछ मानव तस्करों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक भारतीयों को यह कहकर गुमराह किया गया कि उन्हें विदेश में अच्छी नौकरी दिलाई जाएगी। इसके बाद उन्हें ले जाकर रूस की सेना में भर्ती कर दिया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि कुल 91 भारतीयों की रूस की सेना में नियुक्ति हुई थी। इनमें से आठ लोगों की अभी तक मौत हो चुकी है। अन्य 14 लोग या तो सेना द्वारा मुक्त कर दिए गए या किसी अन्य मदद से भारत लौटने में सफल रहे। विदेश मंत्री के मुताबिक फिलहाल कुल 69 भारतीय नागरिक रूसी सेना द्वारा सेवा से मुक्त किए जाने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले महीने रूस के दौरे पर गए पीएम मोदी ने भी प्रेसीडेंट पुतिन के साथ मुलाकात में इस मुद्दे को उठाया था।

### अरे वाह! बीमार छात्र की जगह रोबोट क्लास अटेंड कर रहा

**लंदन।** छात्र हायर एजुकेशन में भी रोबोटिक्स और एआई की पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन साउथ वेस्ट लंदन से एक बिल्कुल ही अलग मामला सामने आया है। यहां 12 साल के एक बच्चे के बीमार पड़ने पर उसकी जगह रोबोट कक्षा में शामिल हो रहा है। इससे बच्चे की पढ़ाई का नुकसान होने से बच रहा है। 12 वर्षीय हावर्ड साउथ-वेस्ट लंदन के एक स्कूल में पढ़ाई करता है। दिसंबर 2023 में एक रेयर आर्म कैंसर ने हावर्ड को जकड़ लिया। जनवरी 2024 से उसकी कीमोथैरेपी चल रही है। इस हालत में वह स्कूल जाने में सक्षम नहीं है। हालांकि इस रोबोट की वजह से उसके स्ट्रगल में थोड़ी राहत पहुंची है। दरअसल, स्कूल अटेंड न कर पाने की वजह से उपस्थिति कम हो रही थी। इससे उसे आगे परेशानी हो सकती थी। यह रोबोट इलेक्ट्रॉनिक डबल के तौर पर स्कूल जाकर क्लासेस अटेंड करता है। बता दें कि यह ऑडियो-विजुअल रोबोट एक इंटरैक्टिव अवतार है। इसकी मदद से हावर्ड घर या हॉस्पिटल से क्लासेस अटेंड कर लेता है। इसके जरिए हावर्ड क्लास में अपनी बात कहता है और टीचर की बातें सुनता है। वह नोट्स भी बना लेता है। इस तरह से हावर्ड घर या हॉस्पिटल में रहते हुए भी हर क्लास का हिस्सा बन पा रहा है। स्कूल के टीचर्स और स्टूडेंट्स को भी रोबोट ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे वे एवी हावर्ड (रोबोट) की मदद से असली हावर्ड की पढ़ाई में मदद कर सकते हैं।

रोहिंग्या पर म्यांमार में ड्रोन अटैक

# 200 की मौत, कीचड़ में बिखरे पड़े शवों में अपनों की तलाश करते दिखे परिजन

**ढाका।** बांग्लादेश से भाग रहे रोहिंग्या मुसलमानों के एक समूह पर ड्रोन हमला होने की खबर वायरल हो रही है। खबर सही है या गलत इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई लेकिन खबर काफी चौंकाने वाली है। बांग्लादेश में इन दिनों हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण खूब उथल-पुथल है, इसके बावजूद म्यांमार से कई रोहिंग्या मुसलमान सीमा पार कर बांग्लादेश भागने की कोशिश में जुटे हैं। म्यांमार से भाग रहे रोहिंग्या मुसलमानों के ऐसे ही एक समूह पर बॉर्डर के पास ड्रोन से हमला किया गया। इस ड्रोन अटैक में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 200 लोगों के मारे जाने की खबर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, चार चश्मदीदों, कार्यकर्ताओं और एक राजनायिक ने इन ड्रोन हमलों के बारे में बताया, जिसमें बांग्लादेश की सीमा पार करने का इंतजार कर रहे परिवारों को निशाना बनाया गया था। कई चश?मदीदों ने बताया कि हमले के बाद शवों के ढेर के बीच अपने मृत और घायल रिश्तेदारों की पहचान करने के लिए भटक रहे थे। यह हमला हाल के हफ्तों में सैन्य जुंटा सैनिकों और विद्रोहियों के बीच संघर्ष के दौरान रखाइन राज्य में नागरिकों पर किया गया अब तक का सबसे घातक हमला है। तीन चश्मदीदों के हवाले से बताया कि इसके पीछे अराकान आर्मी का हाथ है, हालांकि समूह ने इन आरोपों से इनकार किया है। म्यांमार की सेना और मिलिशिया ने एक-दूसरे पर हमले का आरोप लगाया है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में दिख रहा है कि कीचड़ भरे मैदान में शवों के ढेर पड़े हुए थे। उनके आसपास उनके सूटकेस और बैकपैक बिखरे हुए थे। तीन लोगों ने बताया कि 200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि एक चश्मदीद ने बताया कि उसने कम से कम 70 शव देखे हैं। वीडियो के लोकेशन की पुष्टि की है, जो कि म्यांमार के तटीय शहर मौंगडॉ के ठीक बाहर का है। हालांकि यह वीडियो कब का है इसकी पुष्टि नहीं की सकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 35 साल के मोहम्मद इलियास नामक एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि हमले में उनकी गर्भवती पत्नी और 2 साल की बेटी घायल हो गईं और बाद में उनकी मौत हो गई।

बांग्लादेश के एक शरणार्थी शिविर से इलियास ने बताया कि वह उनके साथ समुद्र किनारे खड़ा था, तभी ड्रोन ने भीड़ पर हमला करना शुरू कर दिया। इलियास ने कहा, 'मैंने कई बार गोलाबारी की आवाज सुनी।' उसने बताया कि वह खुद को बचाने के लिए जमीन पर लेट गया और जब वह उठा तो उसने देखा कि उसकी पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हैं और उसके कई अन्य रिश्तेदार मृत पड़े हैं।

सेना की अपनी रणनीति के बीच बड़ा सवाल

# क्या पूर्व पीएम शेख हसीना लौटेंगी स्वदेश?

**ढाका।** विल्सन सेंटर में साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जितने लंबे समय तक सत्ता में रहेगी, सेना के देश की राजनीति में अधिक निर्णायक भूमिका निभाने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। उनकी यह टिप्पणी बांग्लादेश में चल रही राजनीतिक अशांति के बीच आई है। जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के बाद पैदा हुई है, जिसके कारण आम चुनावों का समय अनिश्चित हो गया है। बांग्लादेश में अशांति के दौर में अंतरिम सरकार जितने लंबे वक्त तक सत्ता में रहेगी, सेना की राजनीतिक भागीदारी का जोखिम उतना ही अधिक होगा। इस बात की आशंका को पहले ही जाहिर किया गया था।

कुगेलमैन ने इस बात पर जोर दिया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग मौजूदा समय में हाशिए पर है। जिसका अंतरिम सरकार में कोई नुमाइंदा नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि अगर अशांति बनी रहती है, तो अवामी लीग भविष्य के चुनावों में फिर से लोकप्रिय हो सकती है। एक इंटरव्यू में कुगेलमैन ने कहा कि

**शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग हाशिए पर, अंतरिम सरकार में भी कोई नुमाइंदा शामिल नहीं**

'अगर एक या दो साल बीत जाते हैं, अगर अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं होता है, अगर अशांति जारी रहती है, तो मुझे लगता है कि चुनावों में अवामी लीग का पक्ष लिया जा सकता है। अब, मैं यह भी कहूंगा कि जब हम भविष्य के राजनीतिक परिदृश्यों के बारे में बात कर रहे हैं। अंतरिम सरकार जितनी अधिक समय तक सत्ता में रहेगी, मुझे लगता है कि सेना के राजनीति में अधिक निर्णायक भूमिका निभाने की संभावना बढ़ जाती है। कुगेलमैन ने कहा कि 2006, 2007 और 2008 में, जब बांग्लादेश में एक लंबी अंतरिम सरकार थी, जो सेना के नेतृत्व में थी। इसलिए हमें सेना के आगे चलकर निभाई जा सकने वाली संभावित राजनीतिक भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इस वक्त शेख हसीना की राजनीति में वापसी की संभावना पर कुगेलमैन ने संदेह जाहिर किया, लेकिन उनकी वापसी से इनकार नहीं किया।

# प्रचंड का आरोप- शेख हसीना को अमेरिका के इशारे पर सत्ता से हटाया गया

**काठमांडू।** माओवादी के अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने दावा किया है कि अमेरिका के इशारे पर उन्हें सत्ता से हटाया गया। प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ करने में अमेरिका का हाथ है। उन्हें एक महीने पहले से सत्ता से हटाने के पीछे षडयंत्र चल रहा था।

माओवादी पार्टी की स्थायी समिति की बैठक में अध्यक्ष प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक षडयंत्र के तहत हटाया गया। उनका आरोप है कि अमेरिकी प्रभुत्व न मानने के कारण शेख हसीना को सत्ता से हटाकर देश छोड़ने को बाध्य कर दिया गया। अमेरिकी शर्त नहीं मानने के कारण रातों रात दो विपरीत ध्रुव के राजनीतिक दलों के बीच समझौता करा कर उन्हें पद से हटने पर मजबूर कर दिया गया।

प्रचंड ने कहा कि प्रधानमंत्री रहते शेख हसीना पर अमेरिका की महत्वाकांक्षी स्टेट पार्टनरशीप प्रोग्राम (एसपीपी) समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए लगातार दबाब दिया जा रहा था। इस समझौते में नेपाल को शामिल करा कर अमेरिका नेपाल में अपना सैन्य बेस बनाना चाहता है। यह सैन्य बेस भारत और चीन दोनों के लिए खतरा बन जाता, इसलिए उन्होंने अमेरिकी दबाब को कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में अमेरिकी हस्तक्षेप बढ़ना पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है। उन्होंने सभी दक्षिण एशियाई देशों के राजनीतिक नेतृत्व से एकजुट होकर इसका सामना करने का सुझाव भी दिया है।

# ब्राजील विमान हादसे में मृत सभी 62 लोगों के अवशेष बरामद, पहचान के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की ली मदद

**ब्रासिलिया।** ब्राजील के साओ पाउलो प्रांत में एक विमान हादसे में मारे गए सभी यात्रियों के अवशेष बरामद हो गए हैं। इसके साथ बचाव अभियान खत्म हो गया है। मृतकों के परिजन अपने प्रियजनों की शिनाख्त करने और उन्हें दफनाने के लिए साओ पाउलो पहुंच रहे हैं। ब्राजील की विमानन कंपनी वेपास ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त 'एटीआर72' विमान में 58 यात्री और चालक दल के चार मेंबर सवार थे।

जानकारी के अनुसार विमान ग्वारूलोस में साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, तभी यह विन्हेडो में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कंपनी ने पहले बताया था कि उसके विमान में 62 यात्री सवार थे। बाद में उनकी संख्या को संशोधित कर 61 कर दिया और शनिवार सुबह फिर संख्या बढ़ा दी थी। जब उसने पूता तो कॉन्स्टेंटिनो माइया नामक यात्री का नाम उसकी मूल सूची में नहीं था।

### शवों की पहचान करने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की ली मदद

फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने विमान के पायलट और सह-पायलट के शवों की पहचान कर ली है और मलबे से 34 पुरुषों व 28 महिलाओं के शव बरामद किए हैं। ब्राजील के अधिकारियों ने परिजनों से मृतकों की पहचान करने में मदद के लिए किसी भी चिकित्सकीय जांच, एक्स-रे या दंत परीक्षण की रिपोर्ट लाने को कहा। शवों की पहचान करने के लिए खून की जांच भी की गई। ब्राजील की वायुसेना ने बताया कि विमान के दोनों ब्लैक बॉक्स जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिए गए हैं। उसने कहा कि हमें उम्मीद है कि 30 दिनों के अंदर जांच सामने आ जाएगी।

भारतीय विदेश सचिव नेपाल पहुंचे, राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित प्रमुख नेताओं से होगी मुलाकात

# त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मिस्री का हुआ भव्य स्वागत

**काठमांडू।** भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री दो दिवसीय नेपाल दौरे पर रविवार को काठमांडू पहुंचे हैं। भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरे भारतीय विदेश सचिव मिस्री का नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल और नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने स्वागत किया।

विदेश सचिव मिस्री नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल के साथ औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता करने वाले हैं। दोपहर 2.45 बजे उनका राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा, कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल प्रचंड से मुलाकात का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, वह सोमवार को स्वदेश लौटेंगे।

नेपाल पहुंचे विदेश सचिव मिस्री ने कहा कि उनकी यात्रा नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत करने के लिए है। भारत सरसार की नेवरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत वो पड़ोसी देशों का भ्रमण कर रहे हैं और भूटान के बाद उनकी दूसरी विदेश यात्रा नेपाल हो रही है। इस भ्रमण के क्रम में द्विपक्षीय समझौते के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की जानकारी भारतीय दूतावास के तरफ से दी गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश सचिव मिस्री की यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय बैठकों की परंपरा को जारी रखेगी और भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत नेपाल के साथ संबंधों को दी गई प्राथमिकता को प्रतिबिंबित करेगी।

भारत सरकार की मदद से नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और नई परियोजनाएं चल रही हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और अधिक मजबूत हुआ है।

# विदेश सचिव मिस्री ने काठमांडू में नेपाल भाषा परिषद के नवनिर्मित भवन का किया उद्घाटन

दो दिवसीय दौरे पर रविवार को नेपाल पहुंचे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने काठमांडू के नरदेवी में नेपाल भाषा परिषद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस भवन का निर्माण भारत के सहयोग से किया गया है। नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल के निमंत्रण पर सुबह काठमांडू पहुंचे मिस्री राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी मुलाकात करेंगे। उनका उप प्रधानमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह, उपप्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री बिष्णु प्रसाद पौडेल और गृहमंत्री रमेश उखर से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। विदेश सचिव बनने के बाद मिस्री की यह पहली नेपाल यात्रा है। लम्साल ने मिस्री के सम्मान में रविवार को रात्रिभोज का आयोजन किया है। सोमवार सुबह उनका विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा

से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद मिस्री शाम को नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।